AMAR UJALA MY CITY Page 5

# लविवि में रिकॉर्ड आवेदन, अंतिम तिथि 15 दिन और बढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल पिछले वर्षों के मुकाबले रिकॉर्ड तोड़ आवेदन आए हैं। विवि प्रशासन ने मंगलवार को समाप्त हो रही आवेदन की अंतिम तारीख एक बार फिर से बढ़ा दी है। अभ्यर्थी अब 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। लविवि में स्नातकोत्तर में अब तक करीब 13 हजार आवेदन फॉर्म आ चुके हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 10 हजार 600 था। इसी तरह स्नातक में अब तक करीब 30 हजार आवेदन फॉर्म आ चुके हैं, जबकि पिछले साल 28,500 आवेदन आए थे। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एडमिशन हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों को देखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। अभी भी काफी विद्यार्थी आवेदन फॉर्म नहीं भर पाए हैं।

## सेल्फ फाइनेंस कॉलेज को विद्यार्थी देने पर मंथन

*लविवि अपने दाखिलों के साथ ही स्व वित्तपोषित महाविद्यालयों को दाखिले के लिए विद्यार्थी देने पर भी मंथन चल रहा है। असल में स्व वित्तपोषित महाविद्यालयों की मांग को देखते विवि प्रशासन इस पर विचार कर रहा है कि उनके यहां के दाखिले लविवि ही कर दे। इसके लिए समिति भी बनाई गई है। इस तरह से लविवि को फॉर्म फीस के रूप में अतिरिक्त आमदनी होगी, वहीं महाविद्यालयों को विद्यार्थी मिल जाएंगे। फिलहाल इससे सिर्फ निजी कॉलेज ही जुड़ते दिख रहे हैं। अनुदानित महाविद्यालय इसके लिए संभवतः तैयार न हों। क्योंकि आवेदन फॉर्म से मिली फीस उनके लिए आय का एक अच्छा साधन है।*

NBT Page 6

## ...इधर लखनऊ विश्वविद्यालय में टूटा रेकॉर्ड

# पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा आए आवेदन

- यूजी में करीब 29 हजार तो पीजी में 13 हजार आवेदन आए
- एलयू ने आवेदन की अंतिम तारीख 15 जुलाई तक बढ़ाई

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन में पिछले पांच वर्षों का रेकॉर्ड टूट गया है। कोरोना संक्रमण की वजह से डिग्री कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन भले ही न आ रहे हों, लेकिन एलयू में रेकॉर्ड आवेदन आए हैं।

एलयू में इस बार यूजी में करीब 29 हजार आवेदन आए हैं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 27,800 था। वहीं, पीजी में प्रवेश के लिए 13 हजार आवेदन आए हैं, जबकि पिछले साल 10,600 आवेदन आए थे। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने आवेदन समय सीमा में भी विस्तार कर दिया है। प्रवेश समन्वयक प्रो.अनिल मिश्रा ने बताया कि अब 15 जुलाई तक आवेदन किए जा सकते हैं। बता दें, एलयू में यूजी की करीब 3500 और पीजी की करीब 4500 सीटें हैं। यही नहीं एलयू के आवेदनों में आए इस बढ़ोतरी को कोरोना संक्रमण का नतीजा माना जा रहा है।

| पांच वर्षों में आए आवेदन | |
|---|---|
| **यूजी** | |
| **वर्ष** | **आवेदन** |
| 2016 | 26,600 |
| 2017 | 27,500 |
| 2018 | 28,600 |
| 2019 | 27,800 |
| 2020 | 29,000 |
| **पीजी** | |
| **वर्ष** | **आवेदन** |
| 2018 | 12,500 |
| 2019 | 10,600 |
| 2020 | 13,000 |

HINDUSTAN Page 6

कुलपति का छह महीने का कार्यकाल पूरा, 30 दिसम्बर 2019 को संभाली थी जिम्मेदारी, विवि को आत्मनिर्भर बनाना प्रमुख लक्ष्य

# छह महीने में दिया देश का सबसे बेहतरीन सीबीसी सिस्टम

**उपलब्धि**

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीती 30 दिसम्बर को जिम्मेदारी संभाली। मंगलवार को उनके कार्यकाल के छह महीने हो गए। प्रो. आलोक कुमार के इस छोटे से सफर में विश्वविद्यालय कई बड़े सुधारों और बदलावों का गवाह बना।

देश के सबसे बेहतरीन च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) से लेकर कई बड़े शैक्षिक और प्रशासनिक बदलाव किए गए हैं।

**ऑनलाइन हुआ विश्वविद्यालय :**

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

कोरोना काल में ज्यादातर लोग घरों में बैठे थे। इस दौरान विश्वविद्यालय को ऑनलाइन करने की दिशा में अहम कदम उठाए गए।

यहां आईटी आधारित शिक्षा व्यवस्था शुरू की गई। सभी 49 विभागों के यूट्यूब चैनल बनाए गए। विश्वविद्यालय के बेहतरीन शिक्षकों के तैयार किए गए स्टडी मैटीरियल को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया। खास बात है कि यह सभी के लिए पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। जिससे सभी इसकी सुविधा ले सकें।

### शिक्षकों की सहभागिता बढ़ी

इन छह महीनों में पहली बार विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था में शिक्षकों की सहभागिता बढ़ी। एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत के साथ शिक्षकों को प्रशासन से जोड़ा गया। शक्तियों को एक व्यक्ति तक सीमित रखने के बजाए उन्हें बांटा गया। दशकों से बेरुखी झेल रहे नवीन परिसर को एक प्रशासनिक व्यवस्था दी गई।

पहली बार महाविद्यालयों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। यही नहीं लखनऊ विश्वविद्यालय में योग और वैकल्पिक मेडिसिन फैकल्टी भी स्थापित की गई।

### नियुक्ति के रास्ते खुले

वर्षों से रिक्त पड़े शिक्षकों के पदों पर भर्ती के रास्ते खुल गए हैं। जल्द ही, यहां करीब 200 पदों के लिए नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। वहीं, कई वर्षों से रुकी शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया अब शुरू होने जा रही है। सामाजिक जिम्मेदारी को देखते हुए भी कदम उठाए गए। कम्युनिटी किचन की शुरुआत, पौधरोपण जैसे काम हुए।

### चुनौतियां जो सामने आईं

बकौल प्रो. आलोक, लविवि को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना और इसे शैक्षिक व शोध के क्षेत्र में स्थापित करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। वह कहते हैं कि उनके प्रयास अब नजर आने लगे हैं। बदलाव की झलक कैम्पस में साफतौर पर दिखने लगी है। इनमें छात्रों के लिए स्टूडेंट्स ओपीडी, ट्री स्कीम, सीड मनी, कर्मयोगी और छात्रवृत्ति योजना अहम कदम हैं। काफी कुछ पहले से बदल रहा है। कोरोना काल में भी फैकल्टी एलयू के छात्र-छात्राओं को शिक्षा देने के नए विकल्पों पर काम कर रही है। हालांकि, अभी कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां बदलाव की कोशिश करनी है। जल्द ही, उन चीजों में भी परिवर्तन दिखने लगेगा। विकास का पहिया एलयू में हर क्षेत्र में रफ्तार भरता नजर आएगा।

i-NEXT Page 2

# 300 अभ्यर्थी एक सेंटर पर दे सकेंगे बीएड पेपर

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW(30 July):** प्रदेश में 29 जुलाई को बीएड की परीक्षा होनी है. इस वर्ष बीएड की परीक्षा का आयोजन कराने का जिम्मा लखनऊ यूनिवर्सिटी को सौंपा गया है. एलयू ने परीक्षा कराने को लेकर तैयारी करना शुरू कर दिया है. सोमवार को बीएड समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई की अध्यक्षता में सह समन्वयक व अन्य अधिकारियों ने परीक्षा की तैयारियों को लेकर युद्ध स्तर पर रणनीति बनाना शुरू कर दिया है. सोशल डिस्टेंसिंग को देखते हुए इस बार प्रदेश के 73 जिलों में 1440 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा होगी. लखनऊ में लगभग 100 से ऊपर परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे.

CONCEPT PIC

**500 के बजाये केवल 300 सेंटर पर होगी परीक्षा**

प्रो. बाजपेई ने बताया कि पहले प्रदेश में 900 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होनी थी, लेकिन अब 1440 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा होगी. साथ ही परीक्षा केंद्र पर बैठने वाले अभ्यर्थियों की संख्या में भी तब्दीली की गई है. पहले की रणनीति के अनुसार प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 500 अभ्यर्थी परीक्षा देने वाले थे, लेकिन अब प्रत्येक केंद्र पर मात्र 300 अभ्यर्थी ही परीक्षा देंगे.

**चुना जनपदीय परीक्षा केंद्र**

कोरोना को देखते हुए अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र का चुनाव करने का दोबारा मौका दिया गया. इसमें एक लाख 10 हजार अभ्यर्थियों ने जनपदीय परीक्षा केंद्र का चुनाव किया है. इस बार चार लाख 31 हजार परीक्षार्थी बीएड की परीक्षा देंगे. लखनऊ में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में तकरीबन ढाई लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे.

**चुनाव में प्रशासन करेगा मदद**

परीक्षा केंद्र का चुनाव करने के लिए हर जिले में प्रशासन की मदद ली जाएगी, जिससे परीक्षा केंद्र जल्द से जल्द निर्धारित हो सकें. परीक्षा केंद्र ज्यादा हो जाने के कारण जिले में एडिशनल नोडल ऑफिसर नियुक्त किया जाएगा, जो परीक्षा का कार्य सांभालेंगे. इसके अलावा परीक्षा केंद्र निर्धारित होते ही सेंटर इंचार्ज के साथ मीटिंग रखी जाएगी.

**सेनेटाइजेशन को दो से ढाई करोड़ का बजट**

परीक्षा कराने में लगभग 55 करोड़ का खर्च आ रहा है. इसके अलावा कोरोना को देखते हुए करीब दो से ढाई करोड़ का अतिरिक्त बजट बनाया जाएगा, जो सिर्फ सेनेटाइजेशन के लिए होगा. इसमें पहली पाली की परीक्षा हो जाने के बाद सभी परीक्षा केंद्रों को द्वितीय पाली के लिए सेनेटाइज कराया जाएगा. परीक्षा केंद्रों पर मास्क व सेनेटाइजर उपलब्ध कराए जाएंगे. सेनेटाइजेशन के सारे काम के लिए हर परीक्षा केंद्र पर सेनेटाइजेशन सुप्रीटेंडेंट नियुक्त होंगे, जो ये सारा काम देखेंगे.

**16 तक अपलोड हो जाएंगे एडमिट कार्ड**

प्रो. बाजपेई ने बताया कि अभ्यर्थी 16 जुलाई तक वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं. परीक्षा में अभ्यर्थियों को अपने साथ मास्क व सेनेटाइजर लाना होगा. इसके निर्देश एडमिट कार्ड पर छपे होंगे, यदि किसी दशा में कोई परीक्षा मास्क या सेनेटाइजर लाना भूल जाता है तो उसे परीक्षा केंद्र पर नियुक्त सेनेटाइजेशन सुप्रीटेंडेंट से सम्पर्क करना होगा, लेकिन अभ्यर्थियों को अपना सेनेटाइजर लाना व मास्क पहनकर आना अनिवार्य है.

TOI Page 7

# LU extends date for admissions

**Lucknow University has extended dates for application to its undergraduate and postgraduate courses considering the coronavirus pandemic situation. The last date for application has been extended till July 15. No late fee will be applicable till the date. "The university wants that no students should miss out on the opportunity to apply for admission. Due to the coronavirus pandemic situation a number of candidates living in rural areas could not complete the form following poor connectivity or other reasons, hence this extension will help them," Lucknow University spokesperson Durgesh Srivastava said.**

विश्वविद्यालय ने खुद का रिकॉर्ड तोड़ा, दाखिले के लिए मारामारी

# एलयू : 5 साल में सबसे ज्यादा आवेदन आए

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना संक्रमण के बीच शहर के डिग्री कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्र भले ही न आ रहे हो, लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिलों के लिए मारामारी मची है।

सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय में रिकॉर्ड आवेदन आए हैं। आवेदनों ने पिछले पांच साल के आंकड़ों को पार कर लिया गया है। इस बार स्नातक में करीब 29 हजार और परास्नातक में प्रवेश के लिए 13 हजार आवेदन आए हैं।

उधर, विश्वविद्यालय ने आवेदन समय सीमा में विस्तार कर दिया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो.अनिल मिश्रा ने बताया कि अब 15 जुलाई तक आवेदन किए जाएंगे।

बता दें, लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक की करीब 35 सौ और परास्नातक की करीब 45 सौ सीटें हैं। इन पर प्रवेश के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि मंगलवार तक थी। लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण कई छात्र-छात्राओं द्वारा आवेदन नहीं किया जा सका है। इसके चलते आवेदन की अन्तिम तिथि को 15 जुलाई तक बढ़ाया गया है।

**15** जुलाई तक बढ़ाई गई आवेदन की तारीख

**ऐसे बढ़े आवेदन**

| स्नातक | |
|---|---|
| **वर्ष** | **आवेदन** |
| 2016 | 26,600 |
| 2017 | 27,500 |
| 2018 | 28,600 |
| 2019 | 27,800 |
| 2020 | 29,000 |
| **परास्नातक** | |
| **वर्ष** | **आवेदन** |
| 2018 | 12,500 |
| 2019 | 10,600 |
| 2020 | करीब 13,000 |

**बाहर जाने के बजाए एलयू को चुन रहे छात्र**

लखनऊ विश्वविद्यालय के आवेदनों में आए इस उछाल को कोरोना संक्रमण का नतीजा माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो, इन हालातों में अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ने के लिए दूसरे शहरों में नहीं भेजना चाह रहे हैं। ऐसे में उनका पहला विकल्प लखनऊ विश्वविद्यालय ही है।

AMRIT VICHAR Page 2

# लखनऊ विवि में प्रवेश के आवेदन की समय सीमा बढ़ी

लखनऊ (वार्ता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी सत्र 2020-21 में होने वाले स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश के लिये आनलाइन आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ा दी गयी है। रजिस्ट्रार डा विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में आज एक आदेश जारी किया जिसके अनुसार स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 जून से बढ़ाकर 15 जुलाई कर दी गयी है। इससे छात्रों को सुविधा होगी।

DAINIK JAGRAN Page 3

# दाखिले के लिए अब 15 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

**लखनऊ: लविवि ने स्नातक और परास्नातक में प्रवेश प्रक्रिया की तारीख बढ़ा दी है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के निर्देश पर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तारीख 15 जुलाई कर दी गई है। अब छात्र लविवि में 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। (जासं)**